भारतीय जलवायु

1. भारत का आधा भाग कर्क रेखा के उत्तर में शेष दक्षिण में है, परंतु उत्तर में हिमालय तथा दक्षिण में तीन ओर से समुद्र भारत की जलवायु को भिन्नता प्रदान करती है|

2. शीतकाल में स्थल खंड से हवाए समुद्र की ओर प्रवाहित होती है|

3. मानसूनी हवाएं भारत की प्रायद्वीपीय संरचना के कारण दो भागो में विभक्त हो जाती है- बंगाल की खाड़ी,अरब सागर|

4. बंगाल की खाड़ी के मानसून को दक्षिण पूर्वी मानसून तथा अरब सागर के मानसून को दक्षिण पश्चिम मानसून कहा जाता है|

.

5. दक्षिण पूर्वी मानसून से अंडमान निकोबार सबसे पहले प्रभावित होता है|

6. मुख्य भूमि में सर्वप्रथम केरल प्रभावित होता है- दक्षिण पश्चिम मानसून|

competitiveexams.net

7. मानसूनी हवाएं दो तरफ से भारत में प्रवेश करती हैं, परस्पर टकराकर भारी वर्षा करती हैं| पुन: हल्के होकर ये बादल ऊपर उठते हैं| जिससे यह जेट स्ट्रीम की पकड़ में आ जाते है|

8. जेट स्ट्रीम इसे चक्राकार में पूरे भारत में वितरित कर देता है|

मानसून पूर्व वर्षा

1. 21 मार्च से भारत का तापमान बढ़ना प्रारंभ होता है| जिससे किसी क्षेत्र में निम्न वायुदाब उत्पन्न हो जाता है फलस्वरूप स्थानीय हवाएं बादलों के साथ यहां वर्षा करती हैं यही मानसून पूर्व की वर्षा है|

2. कर्नाटक में इसे मैंगोसावर, कॉफीसावर,चेरी ब्लॉसम के नाम से जाना जाता है|

3. दक्षिण भारत में इसे नार्वेस्टर के नाम से जाना जाता है|

4. पश्चिमी बंगाल में काल बैसाखी तथा असम में टी-सावर कहा जाता है|

5. इस वर्षा के बाद तापमान गिरता है| जिससे मानसून की गति प्रभावित होती है|

Competitiveexams.net

पश्चिमी विक्षोभ (मावठ)

1. भारत में निरंतर पश्चिम से ठंडी हवाओं का आगमन होता है|

2. इन्हे पश्चिमी विक्षोभ या मावठ के नाम से जाना जाता है|

3. शीतकाल में यह शीत लहर तथा वर्षा का कारण बनती है| .

लू

1. थार के मरुस्थल से चलने वाली गर्म हवाएं जो शरीर की नमी समाप्त कर देती है|

सामान्य परिचय

1. किसी भी देश का कम से कम ⅓ भाग वनाच्छादित होना चाहिए|

2. मैदानी क्षेत्रों में 20% तथा पर्वतीय क्षेत्र में 60% भूमि पर वन होना चाहिए|

3. 2015 में भारत में 21.34% भूमि पर ही जंगल है|

competitiveexams.net

4. वन क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत का विश्व में दसवां स्थान है|

5. वन क्षेत्रफल की दृष्टि से प्रथम व द्वितीय स्थान- रूस,ब्राजील|

6. पापुआ न्यूगिनी का 92% भाग जंगल है|

7. महाद्वीपों में दक्षिणी अमेरिका में सर्वाधिक जंगल तथा ऑस्ट्रेलिया में सबसे कम जंगल है|

8. भारत जलाऊ और नरम लकड़ियों का सबसे बड़ा भंडार है| .

9. 1894 में भारत में सर्वप्रथम वन नीति घोषित की गई थी|

10. 1952 तथा 1988 में इसे संशोधित किया गया|

11. 1927 में फारेस्ट एक्ट लागू किया गया, जिसके तहत वनों को तीन श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया- आरक्षित जंगल, सुरक्षित जंगल, अवर्गीकृत जंगल |

आरक्षित जंगल

1. ऐसे जंगल जहां लकड़ी बीनने तथा पशु चराने पर भी प्रतिबंध होता है|

competitiveexams.net

2. कुल जंगलों का 52% इसी श्रेणी में है|

सुरक्षित जंगल

1. कुल वनों का 30% इस श्रेणी में आता है|

2. इसमें लकड़ी काटने पर प्रतिबंध होता है|

अवर्गीकृत जंगल

1. इन जंगलों को किसी प्रकार का संरक्षण प्राप्त नहीं होता है| .

भारत में वनों की स्थिति

1. भारतीय वनों को 57% प्रायदीपीय पठारों में पाया जाता है|

2. विंध्य और अरावली भी इसमें शामिल है|

3. हिमालय पर कुल वनों का 18 प्रतिशत पाया जाता है|

4. देहरादून में वन संरक्षण संस्थान की स्थापना की गई, जो कार्टोसैट द्वारा प्रति 2 वर्ष पर वन सर्वेक्षण करता है|

competitiveexams.net

5. इस सर्वेक्षण के अनुसार सर्वाधिक वन संरक्षण वाले राज्य हैं- मिजोरम (88.93%),अरुणाचल प्रदेश (80.03%), नागालैंड,मेघालय |

6. केंद्र शासित प्रदेशों में लक्ष्यदीप में सर्वाधिक वन प्रतिशत है 84.56%

7. अंडमान निकोबार का दूसरा स्थान है 81.84%

8. क्षेत्रफल की दृष्टि से सर्वाधिक वन वाले राज्य हैं- mp, अरुणाचल प्रदेश,छत्तीसगढ़,महाराष्ट्र

9. वनों का न्यूनतम प्रतिशत निम्न राज्यों में है- हरियाणा,पंजाब,राजस्थान

10. 4500 मीटर की ऊंचाई को स्नोलाइन कहते हैं| इसके बाद कोई वृक्ष नहीं पाया जाता|

11. देवदार और चीड़ सर्वाधिक ऊंचाई पर पाए जाते हैं| .

12. यूकेलिप्टिस सबसे ऊंचा वृक्ष है|

13. बांस सर्वाधिक तीव्र गति से बढ़ने वाला वृक्ष है|

14. सागोन भारत में सर्वाधिक मात्रा में पाया जाने वाला वृक्ष है|

competitiveexams.net

भारत में वनों की श्रेणियां

भारत में वनों को निम्न श्रेणीयों में विभक्त किया जा सकता है| .

1. सदाबहार वन

2. पर्णपाती वन

3. हिमालयन वन

4. रेगिस्तानी या मरुस्थलीय वन

5. मैग्रोव वनस्पति

सदाबहार वन

1. इस प्रकार के वन उन क्षेत्रों में पाए जाते हैं, जहां 200 सेंटीमीटर से अधिक वर्षा होती है| उत्तर पूर्वी भारत,पश्चिमी घाट,अंडमान निकोबार इन वनों में पल्लवन का समय भिन्न होता है| अतः यह वर्ष भर हरे भरे दिखते हैं|

2. इन वनों के प्रमुख वृक्ष है- महोगनी,एबोनी,आबनुस,शीशम

पर्णपाती वन

competitiveexams.net

1. भारत के सर्वाधिक क्षेत्रों में पर्णपाती वन ही पाए जाते हैं|

2. इन्हें दो श्रेणियों में वर्गीकृत किया जाता है- आद्र पर्णपाती वन,शुष्क पर्णपाती वन

आद्र पर्णपाती वन

1. इन वन को मानसूनी वन भी कहते हैं|

2. इन का विस्तार पंजाब से असम तक तराई वाले क्षेत्र पश्चिम बंगाल,mp,महाराष्ट्र,तमिलनाडु,केरल एवं कर्नाटक में है|

.

3. इन वनों के प्रमुख वृक्ष है- साल,सागोन,,शहतूत,पलाश,चंदन,आम,जामुन,गूलर

शुष्क पर्णपाती वन

1. यह वन 60-100 सेंटीमीटर वर्षा वाले स्थलों में पाए जाते हैं|

2. भारत में सर्वाधिक क्षेत्रफल इन्हीं वनो का है- पंजाब,हरियाणा,mp,महाराष्ट्र,आंध्र प्रदेश,कर्नाटक

competitiveexams.net

3. इन वनों के प्रमुख वृक्ष है-
तेंदू,क्लास,बेल,कत्था,आम,महुआ,बरगद,शीशम,बबूल

हिमालयी पर्वतीय वन

1. हिमालय के पश्चिमी भाग की तुलना में पूर्वी भाग में अधिक वर्षा होती है|

2. इसी प्रकार हिमालय के दक्षिणी भाग में वर्षा होती है| .

3. इसीलिए हिमालय की वनस्पतियों में सर्वाधिक भिन्नता पाई जाती है|

4. पूर्वी हिमालय के प्रमुख वृक्ष हैं-
साल,शीशम,चंदन,अशोक,देवदार,चीड़

5. पश्चिमी हिमालय के प्रमुख वृक्ष हैं-
सेमल,बांसआवला,शीशम,चीड़,देवदार,बेर,साल

.

.

रेगिस्तानी वन/मरुस्थलीय/कंटीले वन

competitiveexams.net

1. 60 सेंटीमीटर से कम वर्षा वाले क्षेत्रों में यह वन पाए जाते हैं|

2. जल की कमी के कारण पत्तियां छोटी,कम एवं कांटेदार होती है| जिससे वाष्पोत्सर्जन तथा जानवरों से इनकी रक्षा हो जाती है|

3. इन वृक्षों की जड़ें जल की तलाश में गहरी हो जाती है|

4. इन वनों का विस्तार राजस्थान,दक्षिणी पंजाब,हरियाणा एवं बुंदेलखंड में है|

5. ऐसे वनों के प्रमुख वृक्ष हैं- बबूल,बेल,खजूर,कत्थ,नीम,खेजड़ी,पलाश

मैग्रोव वनस्पति

1. इसे दलदली या ज्वार भाटा वनस्पति भी कहा जाता है|

2. सुंदरवन में इसका सर्वाधिक विस्तार होने के कारण इसे सुंदरवन के नाम से भी जाना जाता है|

3. मैग्रोव वनस्पति खारे पानी में उगने में समर्थ होती है|

competitivexams.net

4. पश्चिम बंगाल में सर्वाधिक विस्तार है|

5. गुजरात का दूसरा स्थान है|

6. विश्व की कुल 7% मैग्रोव वनस्पति भारत में पाई जाती है| .

7. भारत के कुछ अन्य प्रसिद्ध क्षेत्र है-
आंध्र,तमिलनाडु के तटीय
भाग,महानदी,गोदावरी,कृष्णा,कावेरी के डेल्टा

8. इन वनों के प्रमुख वृक्ष हैं-
सुंदरी,ताड़,नारियल,केवड़ा,सुपारी

आप हमारे हिंदी माध्यम में उपलब्ध Handwritten + Typewritten फुल नोट्स खरीद सकते है नाम मात्र कीमत के साथ .....

1. Mathematics Notes Price 320 Rupees

2. English Grammer Notes Price 260 Rupees

3. General Science Notes 250 Rupees

4. Psychology / Bal Vikas Notes 250 Rupees

5. Education + Teaching Methods Notes 150 Rupees

Note :- Psychology + Education + Teaching Methods Both Books Combine Pack Just 350 Rupees

6. Haryana G.K Notes Price 150 Rupees

7. Rajasthan G.K Notes Price 150 Rupees

8. हिंदी व्याकरण नोट्स 150 Rupees

9. Computer Notes 120 Rupees

10. Reasoning Notes 180 Rupees

Most Important

11. G.K With Trick Notes 220 Rupees

12. History Notes 180 Rupees

13. Geography Notes 180 Rupees

14. Polity Notes 150 Rupees

15. World G.K Notes 150 Rupees

16. Economics Notes 90 Rupees

17. Environment Notes 90 Rupees

Note:- Sr. No 11 to 17 तक के सभी नोट्स आप मात्र 750 रूपये में खरीद सकते हो जिससे आपको सीधे सीधे 310 रूपये का फायदा होगा

तथा जो साथी सभही नोट्स लेना चाहता है तो उसको 3040 रूपये के नोट्स मात्र 2100 रूपये में ले सकता है

competitiveexams.net

किसी भी विषय के नोट्स खरीदने के लिए 9464770619 पर Whatsapp msg करे Please Call ना करे या फिर जिस समय ऑनलाइन हो उसी समय call करे

धन्यवाद

Sangeeta Kumari

competitiveexams.net